

युवा विदेशी भाषाएं सीखें और देश-विदेश पर छा जाएं- भजनलाल

राज्य सरकार ने प्रदेश के युवाओं का फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, जापानी व कोरियन सिखाने के लिए एमओयू किया

जयपुर, 1 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के साथ-साथ कौशल से जोड़कर कुशल बना रही है और युवा अब नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को बिड़ला

■ **जयपुर में एमओयू कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, कौशल विकास राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी उपस्थित थे।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के लिए एमओयू कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान मौजूद रहे।

ऑडिटोरियम में विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के लिए एमओयू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी विवेकानंदजी का उल्लेख करते हुए युवाओं से विदेशी भाषा सीखने और देश-दुनिया में छा जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इंग्लिश एंव फारिन लैंग्वेजज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद और नेशनल इन्विल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ एमओयू किए हैं। इसके माध्यम से हमारे युवाओं को फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, जापानी और कोरियन सीखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आज के युग में विदेशी भाषा सीखना आवश्यकता बन

चुका है। विदेशी भाषा का ज्ञान युवाओं को बहुराष्ट्रीय कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विदेशों में रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करता है। इसी तरह यह विदेशी पर्यटकों, उद्यमियों और प्रदेश के स्थानीय उद्योगों के बीच एक सेतु का कार्य भी करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख पर्यटन स्थलों की वजह से राजस्थान के लिए विदेशी भाषा का विशेष महत्व है। विदेशी भाषाएं जानने वाले गाइड, होटल मैनेजर, ट्रेवल एजेंट और व्यापारियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ें हैं।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के युवाओं में मेहनत, नवाचार, उद्यमिता के साथ-साथ

भाषाओं और संस्कृतियों को आत्मसात करने की नैसर्गिक प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हुए एफ्री ट्रेड एग्रीमेंट से युवाओं को विदेशी भाषा से संबंधित रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि स्थानीय भाषा हमारे गौरवशाली अतीत संजोए रखने के साथ-साथ हमें विश्वास देती है, हमारी जड़ों से हमारा भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करती है।

इस अवसर पर राज्य सरकार तथा इंग्लिश एंड फारिन लैंग्वेजज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के मध्य विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के लिए एवं स्किल इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर जयपुर की स्थापना के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मध्य एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही, नेशनल एन्टरप्रेन्योर एम्पावरमेंट ड्राइव के अंतर्गत भी विभिन्न एमओयू संपादित हुए। इससे पहले इंग्लिश एंड फारिन लैंग्वेजज यूनिवर्सिटी के जर्नल का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं से संवाद भी किया। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विजयेंद्र जोशी, शिक्षाविद सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। वहीं, वीसी एवं माय भारत पोर्टल के माध्यम से दर्शनभर के युवा जुड़े।

मध्यप्रदेश में ट्रेन से 26 बच्चों को बचाया

उज्जैन, 01 मई। मध्य प्रदेश के उज्जैन और नागदा रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की रात बड़े स्तर पर तस्करी की सूचना पर बड़ा अभियान चलाकर अंत्योदय एक्सप्रेस से 26 नाबालिगों का रेस्क्यू किया गया है। इन बच्चों को बिहार के मुजफ्फरनगर से गुजरात के अहमदाबाद ले जाया जा रहा था।

बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सूचना मिली थी कि करीब 100 बच्चों को मजदूरों के लिए मुजफ्फरनगर से अहमदाबाद ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही उज्जैन में चार थानों का पुलिस बल, आरपीएफ, जीआरपी, श्रम विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम को अलर्ट किया गया। गुरुवार रात करीब 11 बजे

■ **इन बच्चों को अवैध रूप से बिहार से अहमदाबाद ले जाया जा रहा था**

■ **रेस्क्यू ऑपरेशन उज्जैन व नागदा स्टेशन पर किया गया। बाल कल्याण समिति को 100 बच्चों की तस्करी की सूचना मिली थी।**

जैसे ही अंत्योदय एक्सप्रेस उज्जैन स्टेशन पहुंची, टीम ने ट्रेन में सर्चिंग शुरू की। करीब आधे घंटे तक 50 से अधिक बच्चों और उनके साथ मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, जिसमें शुरूआती तौर पर चार बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इसी दौरान ट्रेन आगे बढ़ गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रही सीएफपी दौकिका शिंदे ने तत्काल नागदा स्टेशन को सूचना देकर ट्रेन रुकवाई। वहां करीब एक घंटे तक ट्रेन सर्चिंग के बाद 22 और नाबालिग बच्चों को ट्रेन से उतारा गया।

सांभर क्षेत्र में सोलर प्लांट लगाने की सशर्त अनुमति मिलेगी

हाई कोर्ट ने कहा कि पेड़ व प्रभावित पक्षियों की रक्षा करते हुए सोलर प्लांट लगाया जा सकता है

■ **अदालत ने सोलर पैनल की ऊंचाई 1.5 मीटर से अधिक रखने के निर्देश दिए ताकि प्रवासी पक्षी बिना किसी बाधा के उसके नीचे घोंसला बनाकर अंडे दे सके। यदि कोई पेड़ काटना पड़े तो उसकी जगह आसपास के इलाके में कंपनी तीन गुना पेड़ लगाए।**

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मामले में हिरासत की आवश्यकता नहीं है तथा उनके मुक्तिवकल के फरार होने का खतरा भी नहीं है और उन पर लगाए गए आरोप अधिकांशतः जमानती हैं। उन्होंने कहा कि मानहानि मामले में गिरफ्तारी अनावश्यक अपमान के बराबर होगी और स्वतंत्रता अधिकार का मामला है, विशेषाधिकार का नहीं। संघवी ने यह भी आरोप लगाया कि अधिवक्ता का रवैया राजनीतिक संकेत दर्शाता है।

याचिका का विरोध करते हुए, असम सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि आरोप गंभीर हैं और इनमें झूठे अधिकारिक दस्तावेज बनाना शामिल है। उन्होंने कहा कि सांभर सॉल्ट्स के पूर्व सीएमडी के अनुसार, यह भूमि सन् 1950 के आसपास आवंटित की गई थी। हालांकि समय के साथ यह भूमि लगभग अप्रयुक्त हो गई है और यहां पानी भी मौजूद नहीं है। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी

केवल झील क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नावा सिटी सहित आसपास के इलाकों में भी फैला हुआ है, ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि हम उन पक्षियों की रक्षा करें। अदालत ने अपने आदेश में माना कि बिजली की कमी को दूर करने के लिए सौर ऊर्जा भी जरूरी है। अदालत ने कहा कि एडीजे, सांभर की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि संबंधित भूमि वेतलैंड नहीं है और न तो यह नमक क्षेत्र है और वेतलैंड या झील का बकर जोन है। वहीं सांभर सॉल्ट्स के एमडी के अनुसार, यह भूमि झील से करीब 7 किमी दूर है और इस दूरी में आवासीय व व्यावसायिक प्रतिष्ठान मौजूद हैं। अदालत ने कहा कि सांभर सॉल्ट्स के पूर्व सीएमडी के अनुसार, यह भूमि सन् 1950 के आसपास आवंटित की गई थी। हालांकि समय के साथ यह भूमि लगभग अप्रयुक्त हो गई है और यहां पानी भी मौजूद नहीं है। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी

सभी प्रशंसक व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं और केवल उन्हीं को जवाबदेह है। सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल, जो मुख्यमंत्री बनने के लिए बहुत उत्सुक हैं, केवल तभी जाएंगे, जब पार्टी 85 सीटों से अधिक जीते, जिससे मजबूत सरकार बने और भाजपा के लिए उसे तोड़ना बहुत मुश्किल हो, अगर भाजपा वामपंथ को सत्ता में लौटाने में मदद करना चाहे। कांग्रेस नेताओं के दिमाग में दूसरा सवाल यह है कि अगर वेणुगोपाल को केरल भेज दिया गया तो उनकी जगह कौन लेगा? ऐसा नेता कौन होगा, जिस पर राहुल गांधी भरोसा कर सकें और जिसके साथ उनका सहज तालमेल हो। भंवर जितेंद्र सिंह का नाम चर्चा में

है, क्योंकि वे गांधी परिवार के नजदीक हैं, लेकिन उनका टैक रिकॉर्ड बहुत खराब है, उन्होंने हर उस राज्य में हार का सामना किया है जहां की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है और उन्हें महान राजनीतिक मस्तिष्क के रूप में जाना भी नहीं जाता। नये व्यक्ति को सभी राज्यों और केन्द्र की जटिलताओं को समझना होगा, खासकर इस स्थिति में, जब 2029 के लोकसभा चुनाव केवल 3 साल दूर हैं। किसी भी नए उत्तराधिकारी को इतने बड़े और जटिल भारतीय राज्य को समझने और शीर्ष भाजपा नेतृत्व से निवृत्त गांधी परिवार और देश के हित में काम करने में काफी समय लगेगा। यह स्थिति निश्चित रूप से कठिन है।

मई माह में सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक बारिश हो सकती है

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह पूर्वानुमान घोषित किया

■ **विभाग ने कहा कि पश्चिम विक्षोभ के कारण बारिश होगी पर कुछ राज्यों में भारी हीटवेव की आशंका भी है।**

स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश रहेगी पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत तथा पूर्वी मध्य भारत के कुछ हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रहेगी।

वहीं, गर्मी की बात करें तो देश के अधिकांश राज्यों में अधिकतम तापमान आसमान से कम रहने की संभावना है। लेकिन मई के महीने में गंगा के मैदानी क्षेत्र, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात, और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक हीट वेव का सामना करना पड़ सकता है।

मई के लिए अनुमान जारी करते हुए शनिवार को भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक बारिश का अनुमान जताया है। विभाग ने बताया कि पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक होने के संभावना है। साल 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मई में औसतन 61.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। विभाग के अनुसार, देश में अधिकांश

से अधिक गर्मी वाले दिन रहने की संभावना है।

गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तटीय ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में सामान्य से अधिक दिनों तक हीट वेव रहने की संभावना है। हिमालयी राज्यों में 3-4 दिन अतिरिक्त हीट वेव चलने और मानसून के दौरान अल-नीनो सक्रिय होने की भी चेतावनी दी गई है। वहीं, देश के अधिकांश राज्यों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

लेकिन मई के महीने में गंगा के मैदानी क्षेत्र, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात, और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक हीट वेव का सामना करना पड़ सकता है।

नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान 15 जून से शुरू होगी

नोएडा, 01 मई। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून से उड़ान सेवाएं शुरू होने जाएंगी। इसी के साथ दिल्ली एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत के यात्रियों को नोएडा एयरपोर्ट से यात्रियों को उड़ान और कार्गो की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह ने शुक्रवार को बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान इंडिगो एयरलाइंस की

■ **पहली उड़ान इंडिगो एयरलाइन्स की होगी।**

होगी। उड़ान कहां के लिए होगी और किस समय होगी, इसको लेकर एयरपोर्ट ऑथॉरिटी और एयरलाइंस जल्द ही घोषणा करेगी।

उल्लेखनीय है कि जेवर में स्थित इस नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को उद्घाटन किया था। इसके बाद जल्द ही यहां से धरेलू और कार्गो सेवाओं के शुरू होने के कयास लगाए जा रहे थे।

नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम (एसएसपी) की मंजूरी मिलने के बाद अब यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 15 जून से उड़ानों के संचालन की घोषणा की है।

नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम (एसएसपी) की मंजूरी मिलने के बाद अब यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 15 जून से उड़ानों के संचालन की घोषणा की है।

नाईक और अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार, ट्रम्प की कुल अनुमोदन रेटिंग 33-36 प्रतिशत के बीच है, जबकि असहमति लगातार 60 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। प्रमुख आर्थिक संकेतकों, जो कभी उनकी राजनीतिक ताकत माने जाते थे, जो इसे आर्थिक रूप से महंगा और रणनीतिक रूप से अनिश्चित मानते हैं। 30 प्रतिशत तक गिर गया है, जबकि जीवन यापन की लागत पर रेटिंग और भी कम है।

राजनीतिक क्षति केवल व्यापक मतदाता वर्ग तक सीमित नहीं है। रिपब्लिकन कार्यकर्ताओं में, विशेष रूप से स्वतंत्र और सामान्य समर्थकों के बीच, थकावट एंव ऊब के संकेत दिखाई दे रहे हैं। लेकिन ट्रम्प को अभी भी अपने "बेस" से मजबूत समर्थन मिल रहा है, लगभग 83 प्रतिशत रिपब्लिकन उनके नेतृत्व को सही मानते हैं, जो इसे आर्थिक रूप से महंगा और रणनीतिक रूप से अनिश्चित मानते हैं। इससे एक फीडबैक लूप पैदा हो गया। दरअसल युद्ध आर्थिक विवादा को कमजोर करता है और आर्थिक चिंता राजनीतिक समर्थन को कम करती है। इन दबावों को और बढ़ाने वाली चीज है, परसेप्शन की समस्या। सर्वेक्षण बताते हैं कि केवल लगभग 26 प्रतिशत अमेरिकी ट्रम्प को "संतुलित स्वभाव वाला" मानते हैं। यह निष्कर्ष संकेत के समय उनकी नेतृत्व शैली और निर्णय लेने के बारे में चिंताओं को दर्शाता है। राजनीतिक विवाद, आक्रामक बयानबाजी से लेकर प्रशासनिक परिवर्तन तक, ने इस छवि को मजबूत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल पर एफ आई आर की मांग करने वाली याचिका खारिज की

याचिका में राहुल गांधी के "फाइटिंग इंडियन स्टेट" रिमार्क पर आपत्ति जताई गई थी।

■ **याचिका हिंदू शक्ति दल की सिमरन गुप्ता ने दायर की थी। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी की टिप्पणी से जनभावना आहत हुई है।**

प्रयागराज, 01 मई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली है। कांग्रेस मुख्यालय इन्दिरा भवन के उद्घाटन के मौके पर कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी के इंडियन स्टेट को लेकर दिए बयान को लेकर उच्च न्यायालय ने मुकदमा दर्ज करने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को नए कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन के मौके पर एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारी लड़ाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और इंडियन स्टेट से है। इस बयान में इंडियन स्टेट पर इंग्लामा मंच गया था। इस बयान को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सिमरन गुप्ता ने एक याचिका भी दायर की थी। इसी याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आपन कोर्ट

में अपना फैसला सुनाते हुए यह याचिका खारिज कर दी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय जाने से पहले सिमरन गुप्ता ने संभल की चंडौसी कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ गिरफ्तारी की याचिका दाखिल की थी। चंडौसी कोर्ट ने 7 नवंबर 2025 को याचिका खारिज कर दी थी। चंडौसी कोर्ट के फैसले को सिमरन गुप्ता ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय में 8 अप्रैल को सुनवाई पूरी हो गई थी। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

ईरान वॉर से अमेरिका में ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो रही है। मतदान औसत बताते हैं कि केवल लगभग 39 प्रतिशत लोग ट्रम्प की विदेश नीति को सही मानते हैं, जबकि बहुमत असहमत हैं हैं। ईरान का मुद्दा विशेष रूप से न केवल डेमोक्रेट्स को, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के कुछ हिस्सों की भी आलोचना झेल रहा है, जो इसे आर्थिक रूप से महंगा और रणनीतिक रूप से अनिश्चित मानते हैं। युद्ध के आर्थिक प्रभाव ने राजनीतिक चुनौती को और बढ़ा दिया है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से तेल के आगमन में व्यवधान ने ऊर्जा की कीमतों को बढ़ाया, जिससे धरेलू महंगाई बढ़ी और ट्रम्प के आर्थिक स्थिरता के वादे को कमजोर किया। इससे एक फीडबैक लूप पैदा हो गया। दरअसल युद्ध आर्थिक विवादा को कमजोर करता है और आर्थिक चिंता राजनीतिक समर्थन को कम करती है। इन दबावों को और बढ़ाने वाली चीज है, परसेप्शन की समस्या। सर्वेक्षण बताते हैं कि केवल लगभग 26 प्रतिशत अमेरिकी ट्रम्प को "संतुलित स्वभाव वाला" मानते हैं। यह निष्कर्ष संकेत के समय उनकी नेतृत्व शैली और निर्णय लेने के बारे में चिंताओं को दर्शाता है। राजनीतिक विवाद, आक्रामक बयानबाजी से लेकर प्रशासनिक परिवर्तन तक, ने इस छवि को मजबूत

चुनाव आयोग ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के डीबीएम रखे गए हैं। बुधवार को मतदान समाप्त होने के बाद, सभी स्ट्रिंग को सर्वबंधित उम्मीदवारों/चुनावी एजेंटों और पर्यवेक्षकों को उपस्थिति में सही तरीके से बंद और सील किए गए थे। अंतिम स्ट्रिंग रूम को गुरुवार को सुबह 5:15 बजे बंद किया गया। खुदीराम अनुशीलन केन्द्र में एक और स्ट्रिंग रूम डाक मतपत्रों के लिए है। विभिन्न केन्द्रों से आए डाक मतपत्र वही रखे गए हैं और उन्हें मतदान अधिकारियों द्वारा क्रमबद्ध किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों को उम्मीदवारों और एजेंटों को इस प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए भी कहा था।अग्रवाल ने कहा, रिटर्निंग

अधिकारियों ने राजनीतिक पार्टियों को ईमेल के माध्यम से सूचित किया। मतदान बूथों के गलियारों में शाम 4 बजे से डाक मतपत्रों का पुश्ककरण जारी था। ये सभी सुरक्षित, और ताले में बंद हैं। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के प्रतिनिधियों को सब कुछ दिखाया गया है। उन्होंने उम्मीदवारों को इस प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए भी कहा था।अग्रवाल ने कहा, रिटर्निंग

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थायी आत्मा या सत्ता है। जब व्यक्ति भगवान बुद्ध के बताए अध्यात्मिक मार्ग-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प और सम्यक आवरण का पालन करता है, तब वह सभी दुखों से मुक्त होकर परम शांति को प्राप्त करता है।

नीति प्लेटफॉर्म के साथ समन्वय की आवश्यकता होगी। अंततः, प्रस्तावित वाराणसी बैठक का महत्व इस प्रयास में निहित है कि यह वैश्विक चर्चा में नैतिकता और आध्यात्मिकता को पुनः शामिल करने का प्रयास करती है, जबकि नीति पर आध्यात्मिक बहस जैसे अक्सर संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से प्रभावित होती है।

यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह याद दिला सकती है कि सतत शांति और विकास केवल आर्थिक समाधान पर नहीं, बल्कि मानव मूल्यों की साझा प्रतिबद्धता पर भी निर्भर करते हैं।

तीन सप्ताह में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहां कानून-व्यवस्था विगड़ने का खतरा है। इस पर अदालत ने कहा कि, कानून-व्यवस्था संभालना राज्य सरकार का काम है, लेकिन इसकी आड़ में अदालती आदेशों की अवमानना नहीं की जा सकती। यह पानी किसी जाति विशेष के लिए नहीं है, बल्कि गांव में रहने वाले सभी लोगों के लिए है। राज्य सरकार इस क्षेत्र में वंचित रहे गांवों को

भी पानी पहुंचाने के लिए अतिरिक्त लिफ्ट परियोजना के प्रस्ताव को जल्द लागू कर सकती है। हाईकोर्ट ने जलदाय विभाग को समय देने के आग्रह को सिरि से खारिज करते हुए कहा कि अब समय नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने चेतावनी दी कि 26 मई, 2026 तक आदेश की पालना नहीं हुई, तो कार्रवाही की जाएगी। गौरतलब है कि अदालती आदेशों पर पंचना बांध से पानी छोड़ने का काम वर्ष 2022 में शुरू होना था।

सिक्किम उच्च न्यायालय और भारत के उच्चतम न्यायालय की ई-समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन दो दिनों तक राजधानी के चिंतन भवन और सम्मान भवन में आयोजित किया जा रहा है,